3Day Entrepreneurship Awareness program at

UPTTI Kanpur

Entrepreneurship awareness camp (3 days) organized by MSME DI (Ministry Of Micro, Small and medium Enterprises) in association with CIMCO at UPTTI, Kanpur. Govt. of India is encouraging Engineers to pursue entrepreneurship as the country needs youngsters who are job creators not job - seekers. The young technocrats are responsible for advancement of the society by creating jobs for others. There is a wide scope for these technocrats for becoming entrepreneurs as they belong to an intellectual and innovative study background.

The program was started with the inspiring and informative lecture from Dr. D.B.Shakyawar, Director UPTTI Kanpur. Mr. Mohd. Sharib from KVIC, Sri Rakesh Chandra from MSME visited the camp and enlightened the student by telling about schemes and programs provided by the control and state Govt. encouraging Entrepreneurship. Next day, students from the 3rd and final year were taken for a visit to MSME office and "flavors and fragrances centre". The lectures were also delivered from the experts of Endeavour group on the personality development and effective presentation of the project proposals.

On the last day of the workshop, Mr. P. N. Ram, (Director, CIMCO) encouraged students and gave lectures on “Project report preparation and implementation”. Dr. J. P. Singh (program co-coordinator) talked about the challenges faced by start- ups and their remedies including cost effective marketing strategies for startups. The workshop was highly informative and inspiring for the students. The interactions proved to be quite beneficial too. We look forward to more enriching experiences like this in future. The program ended with the certificate distribution to the participants by Prof. P. Kumar, Prof. M. Uttam, Prof. Alok Kumar, Prof. Abha Bhargawa, Prof. V.K. Malhotra, Prof. Prashant, Prof. M.K.Singh, Prof. I P Mishra and others.

यूपीटीटीआई में इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर पर कार्यशाला शुरू, विशेषज्ञों ने दिए छात्रों को टिप्स

नौकरी देने के बारे सोचें छात्र, पीछे नहीं भागें

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

छात्रों को 10 से 15 हजार की नौकरी के पीछे भागना नहीं चाहिए। छात्र खुद नौकरी देने वाले बनें। इसके लिए छात्रों में उद्यमशीलता का भाव आना चाहिए, तभी वह सफल हो सकेंगे। सरकार भी मेक इन इंडिया में कई प्रयास कर रही है। आसानी से लोन के साथ ही उद्यमशीलता विकसित करने के तरीके अपनाए जा रहे हैं। यह जानकारी सेंटर फॉर इंडस्ट्री एंड मैनेजमेंट के कंसल्टेंट एक्जिक्यूटिव निदेशक डा. पीएन राम ने दी।

उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान में चल रहे इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से उद्यमिता विकास एवम् उत्प्रेरणा विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला में एमएसएमई से आए सहायक निदेशक राकेश चंद्रा ने कहा कि छात्र उद्यमशील बनने के लिए खुद के विचार लेकर आएं। उनके प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए कई रास्ते सरकार ने निकाले हैं। खादी एवम् विलेज इंडस्ट्री बोर्ड चार फीसदी ब्याज पर उद्यमी बनने के लिए ऋण देते है। वहीं सिडबी 12 फीसदी और मुद्रा बैंक 10 फीसदी ब्याज पर ऋण दे रहा है। इसका फायदा छात्रों को उठाकर उद्यमशीलता विकसित करनी चाहिए। केवीआईबी के डेवलपमेंट ऑफिसर मोहम्मद सारिब ने कहा कि छात्र भविष्य बनाने के लिए नौकरी के पीछे भागते हैं। 10 से 20 हजार रुपए की नौकरी पाने लिए घर को छोड़ते हैं। जबकि उनको इससे कहीं ज्यादा पैसा उनके घर पर ही मिल सकता है। इसके लिए उनको अपने अंदर उद्यमशीलता विकसित करनी होगी। छात्रों को प्रोजेक्ट बनाने के साथ ही उसके प्रस्तुतीकरण की जानकारी दी गई। उनको डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने के तरीके भी बताए गए। इसमे मुख्य रूप से निदेशक डा. डीबी शाक्यवार, डा. जेपी सिंह, महेंद्र उत्तम और आलोक कुमार आदि मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञों ने दिए टिप्स।

भावी इंजीनियरों ने सीखे उद्यमिता के हुनर

यूपीटीटीआई

- मिनिस्ट्री ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी की ओर से चल रहा उद्यमिता विकास एवं उत्प्रेरणा पर कार्यक्रम

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

यूपीटीटीआई के भावी इंजीनियरों ने शुक्रवार को उद्योग लगाने का तरीका सीखा। उनको इंस्टीट्यूट प्रशासन की ओर से चल रही कार्यशाला में शुक्रवार को इंडस्ट्रियल विजिट कराई गई। इसमें इंजीनियर छात्र-छात्राओं ने एमएसएमई में बनी कई लैब देखकर वहां पर काम का तरीका सीखा। उनको सहायक निदेशक ने उद्योग लगाने और उनको चलाने के तरीके भी बताए। छात्र करीब दो घंटे तक एमएसएमई में रुके।

उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान में चल रहे इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर में तीन दिवसीय मिनिस्ट्री ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी की ओर से चल रहा उद्यमिता विकास एवम् उत्प्रेरणा कार्यक्रम चल रहा है। इसमें दूसरे दिन छात्र प्लेसमेंट हेड डॉ. जेपी सिंह के नेतृत्व में एमएसएमई पहुंचे। वहां पर सहायक निदेशक राकेश चंद्रा ने छात्रों को फूड प्रोसेसिंग लैब दिखाई। इसमें भावी इंजीनियरों को काम करने के तरीके और उसके फायदे भी बताए गए। छात्रों को कंप्यूटर ऑपरेटेड सीएनसी वायरकटर मशीन भी दिखाई गई। इसमें एक बार सेट करके आसानी से काफी तारों को काटा जा सकता है। कंप्यूटर डिजाइनिंग लैब भी दिखाई गई। छात्रों ने वहां भी रोजगार और उद्यमशीलता की जानकारी हासिल की। वर्कशॉप के दूसरे चरण में इंस्टीट्यूट सभागार में छात्रों के बीच ग्रुप संवाद हुआ। इसमें उपयुक्त उद्यमशीलता पर छात्रों ने विचार-विमर्श किया। इसमें सर्वश्रेष्ठ विकल्प के लिए छात्रों ने एक दूसरे को सलाह दी। शनिवार को कार्यशाला का समापन होगा।

यूपीटीटीआई में वर्कशॉप के दौरान छात्रों ने इंडस्ट्रियल विजिट से समझी बुनियादी बातें।

स्टार्ट अप के लिए बेहतर योजना जरूरी

उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान में उद्यमशीलता वर्कशॉप में छात्र-छात्राओं को विशेषज्ञों ने बताए बिजनेस शुरू करने के गुर।

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

युवाओं में उद्यमशीलता विकसित करने के लिए स्टार्टअप जरूरी है। इसके लिए बाजार की प्लानिंग होनी जरूरी है। बिना योजना के स्टार्टअप प्रोग्राम सफल नहीं हो पाएगा। इसलिए मार्केटिंग प्लानिंग फॉर स्टार्टअप प्रोग्राम के लिए रणनीति बनानी जरूरी है। तभी युवाओं को सफलता मिलेगी। यह जानकारी डॉ. जेपी सिंह ने भावी इंजीनियरों को उद्यमशीलता वर्कशॉप के दौरान दिए। समापन पर भावी इंजीनियरों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किया गया।

उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान

यूपीटीटीई में वर्कशॉप

- तीन दिवसीय उद्यमशीलता कार्यशाला का हुआ समापन
- 50 से ज्यादा छात्र-छात्राओं को दिए गए प्रमाण-पत्र

में तीन दिवसीय उद्यमशीलता वर्कशॉप का शनिवार को समापन हो गया। इसमे सेंटर फॉर इंडस्ट्रियल एंड मैनेजमेंट कंसल्टेन्ट के एक्जक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. पीएन राम ने प्रोजेक्ट इम्पलीटेशन पर छात्रों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि बाजारों की स्थिति के मुताबिक प्रोडक्ट को तैयार करके युवा सफलता पा सकते हैं। भ्रम की स्थिति से निपटने के लिए युवाओं को एक रणनीति बनानी होगी। उस पर काम करके सफलता के रास्ते पर चलना होगा।

उद्यमशीलता विकसित करने के लिए ऋण काफी किफायती और सुविधापूर्ण तरीके से मिल रहा है। इसलिए युवाओं को नौकरी के पीछे भागे बिना उद्यमशीलता के बारे में सोचना होगा। समापन पर वर्कशॉप में भाग लेने वाले करीब 50 से ज्यादा छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र दिए गए। इसमे निदेशक डा. डीबी शाक्यवार, प्रो. आलोक कुमार, आभा भार्गव, महेंद्र उत्तम, मुकेश सिंह आदि मौजूद थे।

Ministry Of Science & Technology, New Delhi
Entrepreneurship Awareness Camp
Centre For Industrial & Management Consultants, Kanpur

Ministry Of Science & Technology, New Delhi
Entrepreneurship Awareness Camp
Centre For Industrial & Management Consultants, Kanpur

Ministry Of Science & Technology, New Delhi
Sponsored 3 day
Entrepreneurship Awareness Camp
Organized by
Centre For Industrial & Management Consultants, Kanpur
Venue: Govt. Central Textile Institute, Kanpur